THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI MURASOLI MARAN): (a) and (b) A survey of the Tea Board, sometime back revealed that there were 47 weak tea gardens and 5 closed tea gardens in Assam. The problems faced by sick and weak tea gardens are quite complex arising out of diverse causes such as managerial/financial mismanagement, protracted litigation etc. These have been discussed with the commercial banks under the aegis of Tea Board to facilitate funding and related measures. The incidence of sickness/ weakness of tea gardens has decreased owing to improved economic conditions and stability in tea prices.

Privatisation of Hindustan Paper Corporation

3084. SHRI KARNENDU BHATTACHARJEE: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Hindustan Paper Corporation Mill at Pachgram in Assam would be transferred to private sector;

(b) if so, the names of the bidders from the private sector and the likely *modus operandi* for such transfer;

(c) the reasons for proposed privatisation;

(d) what Government propose to do to safeguard the interest of employees in such situation; and

(e) if there is no such proposal steps Government proposes for modernisation of this only industry in Barak Valley in Assam?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI MURASOLI MARAN): (a) to (e) There is no proposal at present before the Government to transfer Hindustan Paper Corporation to the private sector.

Hindustan Paper Corporation is taking various steps to improve the performance of Cachar Paper Mills. Some specific areas in which action has been taken for improvement in the efficiency are pulp mill, recovery section and paper machine. Government has also approved financial restructuring of Hindustan Paper Corporation to enable it to mobilise resources for moderanisation of its mills.

कागज उद्योग की असंतोषजनक दशा

3085 श्री राघवजी: क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वर्तमान में देश के कागज उद्योग की स्थिति संतोषजनक नहीं है;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं:

(ग) क्या केन्द्रीय सरकार उक्त कारणों को दूर करने के लिए कोई कदम उठाने जा रही है;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौर क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

उद्योग मंत्री (श्री मुरासोली मारन): (क) से (ङ) उपलब्ध सूचना के अनुसार, कागज और गत्ता उद्योग ने अप्रैल 1996 से अक्तूबर 1996 की अवधि के दौरान 17,15,288 लाख टन का उत्पादन किया है। इस प्रकार, वृद्धि की दर 9.77% दर्ज की है। कागज उद्योग पुरानी प्रौद्योगिकी, उच्च ऊर्जा खपत, कच्चे माल की अपर्याप्त उपलब्धता और इसकी उच्च लागत, उचित लागत पर पर्याप्त विद्युत आपूर्ति उपलब्ध न हो पाना इत्यादि जैसी समस्याओं से ग्रस्त है। सरकार द्वारा उद्योग की स्थित की निरन्तर समीक्षा की जाती है और समय-समय पर उचित सुधारात्मक उपाय किए जाते हैं।

उत्तर प्रदेश के पौड़ी और चमोली जिले में खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा चलाए जा रहे उद्योग

3086 श्री मनोहर कान्त ध्यानी: क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश के पौड़ी और चमोली में खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा चलाए जा रहे उद्योगों में से केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रायोजित/संचालित उद्योगों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान इन जिलों में खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा किए गए कार्यों का ब्यौरा क्या है?

उद्योग मंत्री (श्री मुरासोली मारन): (क) खादी ग्रामोद्योग आयोग उपर्युक्त 2 क्षेत्रों में मुख्य रूप से ऊनी खादी तथा बायो गैस कार्यक्रम क्रियान्वित कर रही है। इसके अतिरिक्त पौड़ी तथा चमोली जिलों में से प्रत्येक में

मधुमक्खी पालन का एक प्रशिक्षण केन्द्र भी कार्य कर रहा है।

(ख) पिछले 3 वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश के पौड़ी तथा चमोली जिलों में खादी ग्रामोद्योग कार्यक्रम के तहत किये गये कार्य के ब्यौरे इस प्रकार हैं:-

चमोली जिले में 2 सीधे सहायता प्राप्त संस्थान अर्थात पर्वतीय ग्राम विकास मंडल तथा क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम ऊनी खादी कार्यक्रम को क्रियान्वित कर रहे हैं तथा पिछले 3 वर्षों में उनका उत्पादन इस प्रकार रहा:-

वर्ष	उत्पादन (लाख रुपये)
1994-95	8.48
1995-96	9.73
1996-97	10.38

"पौड़ी जिले में पिछले तीन वर्षों के दौरान स्थापित किये गये बायो गैस संयंत्रों तथा चूल्हों की संख्या इस प्रकार है:-

वर्ष	स्थापित किये गये संयंत्रों की संख्या	स्थापित किये गये चूल्हों की संख्या
1994-95	1155	शून्य
1995-96	95	शून्य
1996-97	45	2736

Loan and subsidy portions of disbursals of KVIC

3087. SHRI V. HANUMANTHA RAO: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) the loan and subsidy portions of disbursals of KVIC in 1995-96 and 1996-97, State-wise break-up thereof;

(b) whether vast sums have been released for leather related industries; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI MURASOLI MARAN): (a) to (c) Details of the loan and subsidy amount disbursed by KVIC to various States and Union Territories for the year 1995-96 and 1996-97 are annexed as statement (*see* below).

KVIC has so far disbursed only Rs. 112.52 lakhs as grant and Rs. 50.14 lakhs as loan for leather-related industries. Out of Rs. 206.00 crores of loan and Rs. 96.76 crores of grant disbursed during 1996-97 share of leather industries was only Rs. 1.13 crores of grant and Rs. 0.50 crores as loan.

Statement

Details of the loans and Subsidy amount disbursed by KVIC to varions states and Union Territories for 1995-96 and 1996-97

(Rs. in lakhs)

S.No.	State	1995-96		1996-97	
		Loan	Grant	Loan	Grant
1.	Andhra Pradesh	721.10	381.95	421.44	55.84
2.	Arunachal Pradesh	3.04	-	40.51	-
3.	Assam	19.82	20.79	162.45	3.60
4.	Bihar	286.34	585.89	277.43	33.63
5.	Goa	32.08	0.65	63.97	5.47
6.	Gujarat	157.09	1161.44	852.30	11.34
7.	Haryana	136.76	232.57	956.30	-
8.	Himachal Pradesh	128.40	210.67	204.93	45.11
9.	Jammu & Kashmir	302.03	89.70	349.99	-
10.	Karnataka	507.38	537.93	1124.50	14.21
11.	Kerala	461.75	158.04	2397.28	119.73
12.	Madhya Pradesh	303.23	112.07	455.49	41.11
13.	Maharashtra	958.50	327.23	901.53	1678.69
14.	Manipur	115.66	24.53	286.81	26.43